पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

महत्वपूर्ण घटनाक्रम का सारांश -फरवरी, 2021

1. **माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां**: अनुलग्नक-I में दी गई हैं।

2. **व्यापक अंतर मंत्रालयी विचार-विमर्श/विलंब आदि के कारण रुके हुए महत्वपूर्ण नीतिगत पहलू/ मामले आदि**: शून्य।

3. सचिवों की समिति के निर्णयों का अनुपालन

क्रम सं	**अनुपालन के लिए लंबित सचिवों की समिति के निर्णयों की संख्या।**	**प्रस्तावित कार्य योजना / समय सीमा।**	**अभ्युक्तियां**
1	दिनांक 14/08/2014 क्रिल मछली पकड़ने का प्रस्ताव । पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर क्रिल मछली पकड़ने में विभिन्न देशों के अनुभव का अध्ययन करेगा ताकि भारत उनके अनुभवों से सीख सके। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सहयोग से विदेश मंत्रालय उन देशों की जांच एवं पहचान करेगा जिनके साथ भारत क्रिल मछली पकडने में सहयोग कर सकता है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय क्रिल मछली पकड़ने में भारतीय उद्योग के हितों का पता लगाएगा और विदेशी कंपनियों के साथ सीधे सहयोग करने वाली भारतीय कंपनियों की व्यवहार्यता का भी पता लगाएगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय अंतर्राष्ट्रीय अभिसमय दायित्वों के भाग के रूप में कानून के मसौदे को अंतिम रूप देने से पहले अन्य सदस्य देशों द्वारा अधिनियमित कानूनों का अध्ययन करेगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय क्रिल मछली पकड़ने से संबंधित मांग विश्लेषण, वित्तीय व्यवहार्यता, उद्योग के हितों, अन्य देशों के अनुभवों, मछली पकड़ने के लाइसेंस के लिए मापदंड, मौजूदा ज्ञान की कमी आदि के संबंध में एक दस्तावेज प्रकाशित करेगा। इसके बाद, भारत को वाणिज्यिक क्रिल मछली पकड़ने में शामिल होना चाहिए या नहीं, इस पर निर्णय लेने के लिए सचिवों की समिति की पुनःबैठक होगी।	मंत्रालय ने क्रिल मछली पकड़ने से संबंधित पहलुओं की जांच की है। जापान और नॉर्वे ने विशेषज्ञता विकसित की है और क्रिल मछली पकड़ने मे सहयोग के लिए इन देशों को अनंतिम रूप से चिन्हित किया गया है। उनके अनुभव प्राप्त हुए हैं। क्रिल मछली पकड़ने के लिए भारतीय उद्योग से संपर्क किया गया है ताकि उनके हितों का पता लगाया जा सके। तथापि, अभी तक हमें कोई प्रतिक्रिया नहीं प्राप्त हुई है। मसौदा दस्तावेज तैयार है और मंत्रिमंडल सचिवालय के सुझाव प्राप्त हो गए हैं।	क्रिल मछली पकड़ने के लिए नॉर्वे के साथ सहयोग के लिए नीति आयोग के माध्यम से प्रस्ताव भेजा गया है।

मंत्रालय में तीन महीने से अधिक समय से लंबित अभियोजन के लिए स्वीकृति के मामले: शून्य।

ऐसे मामलों का विवरण जिसमें सरकार की स्थापित कार्य व्यवहार- नियमों में छूट दी गयी है: शून्य ।

ई- प्रशासन के कार्यान्वयन की स्थिति : कार्यान्वित किया जा रहा है।

लोक शिकायतों की स्थिति:

महीने के दौरान निपटाई गई लोक शिकायतों की संख्या	महीने के अंत में लंबित लोक शिकायतों की संख्या।
16	09

8. प्रशासन और विकास में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित उपकरणों और अनुप्रयोगों के उपयोग के लिए मंत्रालय /विभाग द्वारा किए गए विशिष्ट उपायों के संबंध में सूचना।

समुद्र की सतह का तापमान और क्लोरोफिल ॥ जैसे उपग्रह से प्राप्त किए गए मापदंडों का उपयोग करके मछली पकड़ने के संभावित क्षेत्र की परामर्शिकाएं जारी की जाती हैं। इसके अलावा, अल्पावधि और मध्यम अवधि के मौसम का पूर्वानुमान लगाने के लिए ग्लोबल सैटेलाइट के डेटा का सतत रूप से उपयोग किया जाता है।

9 (i) **इस बात की पुष्टि की जाए कि मंत्रालय / विभाग और उसके संगठनों के मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के दायरे में आने वाले सभी पदों का ब्योरा AVMS पर अद्यतन किया गया है:** इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रालय / विभाग और उसके संगठनों के मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति के दायरे में आने वाले सभी पदों का ब्योरा AVMS पर अद्यतन किया गया है और इसका ब्यौरा अनुलग्नक- ॥ में दिया गया है।

(ii) **मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति के निर्देशों के अनुपालन के बारे में स्थिति**: इस बात की भी पुष्टि की जाती है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों का अनुपालन किया गया है।

(iii) **उन मामलों की स्थिति, जहां सार्वजनिक उपक्रम चयन बोर्ड से सिफारिशें प्राप्त हुई हैं, लेकिन प्रस्तावों को अभी तक एसीसी सचिवालय को प्रस्तुत किया जाना है :** शून्य ।

****

अनुलग्नक-I

लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां:

1. भारत को हाल में हुए चुनावों में इंटरनेशनल सीबेड ऑथरीटी के सदस्य के रूप में पुन: चुना गया। परिषद ऑथरीटी का निर्णय करने वाला निकाय है।
2. दिनांक 7 जनवरी, 2021 को मोरमुगाओ, गोवा से रवाना हुआ अभियान पोत वेसेली गोलोवनिन वैज्ञानिक प्रचानल के लिए दिनांक 10 फरवरी, 2021 को भारती स्टेशन, अंटार्कटिका पहुंचा। भारती स्टेशन के एक शीतकालीन सदस्य के साथ 40 वें भारतीय वैज्ञानिक अभियान दल के 14 सदस्य वैज्ञानिक संचालनों के लिए 15 फरवरी, 2021 को वैज्ञानिक संक्रियाओं के लिए मैत्री पहुंचे।
3. समुद्र विज्ञान और प्रौद्योगिकी में परस्पर सहयोग के लिए राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान और यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसेट्स-डार्टमाउथ, संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच एक समझौता ज्ञापन पर दिनांक 2 फरवरी, 2021 को हस्ताक्षर किए गए।

COVID-19 के कारण लॉकडाउन के संबंध में सरकार द्वारा जारी किए गए सभी निर्देशों /दिशानिर्देशों का सख्ती से अनुपालन किया गया है।

निर्णय/ अनुमोदन की आवश्यकता वाला कोई भी मामला मंत्रीमंडल के समक्ष लंबित नहीं था।

<u>न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन;</u>

- किसान पोर्टल और सार्वजनिक निजी सहभागिता मोड के माध्यम से देश में एस.एम.एस और आईवीआर प्रौद्योगिकी के जरिए उपभोक्ता समुदायों के लिए एग्रोमेट परामर्शिकाओं का प्रसारण जारी है। वर्तमान में, देश में लगभग 40 मिलियन किसान सीधे तौर पर एस.एम.एस के जरिए एग्रोमेंट परामर्शिकांए प्राप्त कर रहे है।
- राज्य सरकार के अधिकारियों/ आपदा संबंधी अधिकारियों/ केंद्र सरकार के संगठनों/जन सामान्य को मोबाइल के माध्यम से प्रतिकूल मौसम के बारे में एसएमएस से चेतावनियां भेजी जा रही है
- राज्य प्राधिकरणों, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया सहित सभी प्रयोक्ताओं को ई-मेल के माध्यम से कई शहरों के लिए चेतावनी और शहर पूर्वानुमान के साथ-साथ दैनिक पूर्वानुमान प्रसारित किये जाते हैं।

<u>वायुमंडलीय प्रेक्षण प्रणाली नेटवर्क।</u>

प्रेक्षण का प्रकार	अब तक स्थापित	महीने के दौरान स्थापित।	डेटा रिपोर्टिंग।
स्वचालित मौसम स्टेशन (AKIS)	324*		315
स्वचालित वर्षा मापक (ARG)	360**	2	366
जीपीएस सोंडे आधारित आरएस/आरडब्ल्यू (रेडियो सोंडे/रेडिया वायु) स्टेशन	56	--	56
डॉपलर मौसम रडार	28***	--	27
ओजोन(ओजोन सोंदे+कुल ओजोन)	04	--	04
सतह ओजोन (विद्युत-रासायनिक सांद्रता सेल विधि)	07	--	07
नेफेलोमीटर	12	--	12
स्काई रेडियोमीटर	20	--	18
ब्लैक कार्बन मॉनिटरिंग सिस्टम (अथैलोमीटर)	25	--	23
वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (SAFAR)	10 (दिल्ली) 10 (मुंबई) 10 (अहमदाबाद)	--	09 (दिल्ली) 10 (मुंबई) 10 (अहमदाबाद)
हाइड्रोमैट (भारत मौसम विज्ञान विभाग एवं एडब्ल्यूएस एवं एआरजी को छोडकर अन्य विभाग)	---	--	3119
उड्डयन	79	--	79
विकिरण स्टेशन	46	---	36

*कुल 724 मे से 400 पुराने हैं।
**कुल 1360 में से 1000 पुराने हैं।
******* भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के दो डॉप्लर मौसम रडारों सहित।

मॉडलिंग

फरवरी, 2021 के दौरान प्रत्येक सप्ताह में गुरुवार को, राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केन्द्र ने वर्षा, सतह के तापमान और वायु के लिए अगले 4 सप्ताहों तक युग्मित मॉडल आधारित विस्तारित रेंज पूर्वानुमान रीयल टाइम में भारतीय उष्ण मौसम विज्ञान संस्थान ईआरपी समूह, भारत मौसम विज्ञान विभाग के दीर्घ अवधि पूर्वानुमान तथा एग्रीमैट प्रभागों, स्पेस एप्लीकेशन सेंटर/भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, स्नो एंड एवेलांच स्टडी एस्टेब्लिसमेंट/ रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, भारतीय वायु सेना, नौसेना, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी तथा बंगाल इनिशिएटिव फोर मल्टी सेक्टोरल टेक्नीकल एंड इकोनोमिक कॉऑपरेशन देशों को उपलब्ध कराए। बर्फ पुर्वानुमानों में साप्ताहिक विसंगति एसएएसई और आईएएफ को भेजी गई।

एनसीएमआरडब्ल्यूएफ ने 17 फरवरी 2021 से एनसीएमआरडब्ल्यूएफ युग्मित मॉडल से दक्षिण ध्रुव क्षेत्र (अंटार्कटिका) के लिए समुद्री बर्फ से संबंधित पेरामीटरों के दैनिक पूर्वानुमान भेजना प्रारंभ कर दिया है। इन पूर्वानुमानों का प्रयोग अंटार्कटिका के लिए एनसीपीओआर के 40वें वैज्ञानिक अभियान में चार्टर्ड आईस क्लास अभियान पोत "वेसिली गोलोवनिन" द्वारा किया गया।

मासिक मौसम सारांश (फरवरी, 2021)

क) माह के दौरान मौसम संबंधी महतवपूर्ण घटनाएं

निम्न दाब प्रणाली:- फरवरी, 2021 माह के दौरान, 6 पश्चिमी विक्षोभों ओर 4 प्रेरित चक्रवातीय परिसंचरणों ने पूर्वोत्तर भारत को प्रभावित किया; पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र, उत्तर-पश्चिम और पूर्वी भारत में अनेक स्थानों पर वर्षा/बर्फबारी हुई।

कोहरा:- हरियाणा, चंडीगढ, दिल्ली, पंजाब, उत्तरप्रदेश, बिहार, पश्चिमी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश एवं उडीसा के अधिकांश स्थानों पर घना कोहरा/अत्यधिक घना कोहरा छाया रहा।

शीत: पूर्वी मध्य प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, उडीसा, पंजाब और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर दिन ठंडे से लेकर अत्यधिक ठंडे तक रहा।

शीत लहर: पंजाब, उडीसा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, हरियाणा, चंडीगढ, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदान, सौराष्ट्र तथा कच्छ, उत्तराखण्ड, विदर्भ और झारखण्ड में कुछ स्थानों पर शीत लहर/अत्यधिक शीतलहर जारी रही।

ख) वर्षा परिदृश्य: फरवरी,2021 माह में, पूरे देश में 7.6 मिमी. वर्षा दर्ज की गई जो इसके दीर्घावधि औसत (एलपीए) 23.5 मिमी.से 68% कम है।

ग) भारी वर्षा की घटनाएं

समयावधि जिसके लिए चेतावनी जारी की गई	भारी / बहुत भारी वर्षा की घटनाओं की संख्या (> 64.4 मिमी): 11
	64.4 मिमी से अधिक वर्षा के लिए प्रतिशत सुधार (% में)
दिन 1/24 घंटे।	99%
दिन 2/48 घंटे	99%
दिन 3/72 घंटे।	99%

घ) तापमान परिदृश्य: फरवरी, 2021 माह के दौरान देश का सकल औसत तापमान 22.55 डिग्री सी रहा; जो सामान्य से 0.9 डिग्री सी अधिक था।

ड.) गरजना और ओलावृष्टि घटना:- माह के दौरान (माह के अंतिम दिन भारतीय मानक समय के अनुसार 0830 बजे तक) गरजना और ओलावृष्टि घटना नीचे सारणी में दी गई है।

क्र. सं.	क्षेत्र	टीएस दिन	अधिकतम गरजना और ओलावृष्टि की घटना की तारीख	ओलावृष्टि की घटनाएँ।	गरजना की घटनाएँ।
1.	दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत	04	19.2.2021	शून्य	शून्य
2.	उत्तर पश्चिमी भारत	10	4.2.2021 और 5.2.2021	शून्य	शून्य
3.	पूर्वोत्तर भारत	03	07.02.21	1 (18.2.2021 को चर्क में) 1 (18.2.2021 को लखनऊ में)	शून्य
4.	पूर्वी भारत	06	16.2.21	शून्य	शून्य
5.	मध्य भारत	06	16.2.21	शून्य	शून्य
6	पश्चिमी भारत	06	शून्य	शून्य	शून्य

जारी किए गए बुलेटिन/चेतावनियाँ/प्रेस विज्ञप्ति:

अखिल भारतीय मौसम बुलेटिन- 112 (प्रतिदिन चार बार जारी किए जाते हैं), अखिल भारतीय मौसम अनुमान और प्रतिकूल मौसम चेतावनियां - 112 (प्रतिदिन चार बार जारी की जाती हैं), अखिल भारतीय साप्ताहिक मौसम रिपोर्टें-4 (प्रति बृहस्पतिवार को जारी की जाती हैं), पश्चिमी और मध्य हिमालयी क्षेत्र के लिए प्रतिकूल मौसम चेतावनियों सहित

पर्वत मौसम बुलेटिन-56, समुद्री मौसम बुलेटिन-56, उतरी हिंद महासागर के लिए उष्णकटिबंधीय मौसम आउटलुक-28, प्रतिकूल मौसम तत्काल पूर्वानुमान दिशानिर्देश बुलेटिन-28, प्रतिकूल मौसम पूर्वानुमान कार्यक्रम बुलेटिन-28, चक्रवात जनन से संबंधित विस्तारित रेंज-4, शीतकालीन मौसम प्रणाली के लिए एफडीपी बुलेटिन-28

प्रकाशन और परिचालन रिपोर्टें:

(i) फरवरी, 2021 माह के लिए ईएनएसओ बुलेटिन तथा फरवरी से मई, 2021 के महीनों के लिए दक्षिणी एशिया हेतु मौसमी जलवायु आउटलुक जारी किए गए। (त्वरित लिंक: www.imdpune.gov.in/Clim_Pred_LRF_New/Products.html

(ii) दैनिक अखिल भारतीय मौसम सारांश और साप्ताहिक मौसम रिपोर्टें नियमित आधार पर निकाली जा रही हैं।

(iii) 03, 10,17 और 24 फरवरी को समाप्त हुए सप्ताहों के लिए चार (4) साप्ताहिक और संचयी मानक वर्षा सूचकांक मानचित्र तैयार किए गए तथा भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे की वेबसाइट पर अपलोड किए गए।

(iv) फरवरी, 2021 माह के लिए ईएनएसओ बुलेटिन तथा फरवरी से मई, 2021 के महीनों के लिए दक्षिणी एशिया हेतु मौसमी जलवायु आउटलुक जारी किए गए।

(v) 1951-2020 तक की अवधि के लिए 1x1 & 0.25x 0.25 स्थानिक विभेदनों पर भारतीय द्वीपों के लिए दैनिक ग्रिडेड वर्षा डाटा सेट के विकास के संबंध में सीआरएस रिपोर्ट जारी कर दी गई है।

(vi) जनवरी, 2021 माह के मासिक और संचयी मानकीकृत वर्षा सूचकांक मानचित्र तैयार किए गए तथा भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे की वेबसाइट पर अपलोड किए गए।

(vii) ग्रिडेड मानकीकृत वर्षा सूचकांक और मानकीकृत वर्षा वाष्पोत्सर्जन सूचकांकों की 0.5 * 0.5 डिग्री विभेदन पर 4 साप्ताहिक 1,2,3 और 4 मासिक समय के पैमाने पर गणना की तथा इन्हीं समय पैमानों के मानचित्र भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे की वेबसाइट पर साप्ताहिक आधार पर अपलोड किए जा रहे हैं।

महत्वपूर्ण प्रेस विज्ञप्तियां:

(i) उत्तराखण्ड के लिए पूर्वानुमान से संबंधित:- 23
(ii) जनवरी 2021 माह की मासिक मौसम समीक्षा तथा फरवरी, 2021 माह के लिए मौसम आउटलुक से संबंधित:- 1
(iii) वर्तमान मौसम स्थिति और दो सप्ताहों के आउटलुक से संबंधित:-4
(iv) वार्षिक जलवायु सारांश 2020 प्रकाशित किया गया।

भूकंप विज्ञान संबंधी प्रेक्षण नेटवर्क

प्रेक्षण का प्रकार	लक्ष्य	अब तक स्थापित	माह के दौरान डेटा रिपोर्टिंग
भुकंप स्टेशन	115	115	107
जीपीएस स्टेशन	40	20#	18

40 में से 20 VSAT से जुडे हैं, शेष 20 स्टेंड अलोन मोड में परिचालित हैं।

भूकंप और सुनामी निगरानी

भूकंप: भारतीय क्षेत्र में 113 भूकंपों की निगरानी की गई जिनमें से 2 भूकंप 5.0 तीव्रता से अधिक के थे

सुनामी**:** सुनामी पैदा करने की क्षमता वाले 2 समुद्र तलीय भूकंप (M> 6) आए। यह सूचना सभी घटनाओं के होने के 12 मिनिट से कम में दी गई।

समुद्री प्रेक्षण प्रणाली

प्लेटफार्म का प्रकार	लक्ष्य	फरवरी, 2021 तक स्थापित	फरवरी, 2021 के दौरान प्राप्त आंकडे
एग्रो फ्लोट्स *	200	374	119
मूर्ड बुयोस	16	19	13
टाइड गॉज	36	36	32
उच्च आवृत्ति (HP) रडार	10	12	12
एकॉस्टिक डॉप्लर करंट प्रोफाइलर	20	20	18
सुनामी बुयोस	4	7	3
वेब राइडर बुयोस	23	16	12

*शेष फ्लॉट/डिफ्टर अपना जीवनकाल पूरा कर चुके हैं तथा उनसे कोई आंकडे प्राप्त नहीं हुए।

समुद्र विज्ञान सेवाएं

संख्या	पूर्वानुमान का प्रकार	माह के दौरान जारी परामर्शिकाएं
1	एकीकृत संभावित मत्स्यन क्षेत्र परामर्शिकाएं (समुद्र सतह तापमान, क्लोरोफिल, वायु)	28
2	टूना मत्स्यन परामर्शिकाएं	28
3	समुद्री दशा पूर्वानुमान-लहर, वायु, समुद्री सतह का तापमान, मिक्स्ड लेयर डैप्थ और D 20 पूर्वानुमान	28
4.	रीलय टाइम वैश्विक समद्री विश्लेषण (दैनिक)	30
5.	कोरल ब्लीचिंग चेतावनी प्रणाली	10

समुद्री सजीव संसाधन

FORV सागर संपदा की समुद्री यात्रा के दौरान 326 मीटर की गहराई में दक्षिण-पूर्वी अरब सागर से एकत्रित नमूनों से गहरे सागर की जीव झींगा परिवार एक्सीडे की एक नई प्रजाति का पता चला है जिसका नाम केरल राज्य के सम्मान में अकं थाजिअस केरलम रखने का प्रस्ताव है।

समुद्री सजीव संसाधन और पारिस्थितिकी केन्द्र ने स्टेट इनलैण्ड रॉल ऑन/रॉल ऑफ-पोत पर कोच्चि के बैकवाटर्स में डॉल्फिन की संख्या, पर्याप्तता और सामान्य व्यवहार को समझने के लिए एक डॉल्फिन निगरानी सर्वेक्षण प्रारंभ किया है।

आउटरीच और जागरुकता

एनआईओटी के साथ संयुक्त रूप से विज्ञान प्रचार द्वारा एक ऑनलाइन वेबीनार ''अरिवियपालागई'' माह के दौरान 1 लाइव वार्ता आयोजित की गई।

देश भर में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के संस्थानों तथा अन्य शैक्षिक संस्थानों में विद्यार्थियों एवं युवावैज्ञानिकों के लिए वायुमंडल-समुद्र अनुप्रयोगों के लिए आर्टिफिशन इंटेलीजेंस एंड मशीन लर्निंग में एक पांच दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम (व्याख्यान सह प्रायोगिक प्रशिक्षण) 15-19 फरवरी, 2021 के दौरान आयोजित किया गया। कुल 107 शोधकर्ताओं/छात्रों ने भाग लिया।

शीतकालीन कोहरा प्रयोग (नवंबर 2020 से फरवरी 2021) का छठा चरण आईआईटीएम पुणे द्वारा इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाइअडडा, नई दिल्ली एवं हिसार में आयोजित किया गया।

28 फरवरी,2021 को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सभी संस्थानों में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया।

माह के दौरान प्रतिकूल मौसम की रिपोर्टिंग के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा क्राउड सोर्सिंग वेब पेज लाँच किया गया।

केन्द्र और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के अधिकारियों के लिए वायु गुणवत्ता चेतावनी प्रणाली पर एक अर्द्ध दिवसीय आमुखीकरण कार्यशाला दिनांक 1 फरवरी, 2021 को वर्चुअल प्लेटफार्म के माध्यम से आईआईटीएम पुणे तथा केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहयोग से भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित की गई।

इंकॉइस ने अपने 23वें स्थापना दिवस आयोजन के एक भाग के रूप में 02-03 फरवरी, 2021 को 'अर्ली करियर रिसर्चर्स' सिपोंजियम आयोजित किया। इस वर्चुअल कार्यक्रम में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के संस्थानों तथा अन्य राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थानों के अनेक वरिष्ठ वैज्ञानिकों एवं अनुसंधानकर्ताओं ने भाग लिया।

इंकॉइस ने 19 फरवरी, 2021 को ओडिशा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सहयोग से ओडिशा आपदा प्रबंधन अधिकारियों के लिए ''सुनामी प्रिपेयर्डनैस एंड इंप्लीमेंटेशन ऑफ सुनामी रेडी' विषय पर एक वेबिनार आयोजित किया।

भारतीय वायु सेना के 23 वायु योद्धाओं (मौसम विज्ञान एवं मौसम पूर्वानुमान से संबंधित) ने एनसीएमआरडब्ल्यूएफ के मौसम मॉडलिंग कार्यकलापों की जानकारी के लिए एनसीएमआरडब्ल्यूएफ का 15 फरवरी,21 को दौरा किया। एनसीएमआरडब्ल्यूएफ ने मौसम मॉडलिंग के विभिन्न पहलुओं पर एकदिवसीय प्रारंभिक व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया।

एनसीएमआरडब्ल्यूएफ के वैज्ञानिकों ने दिनांक 1-4 फरवरी,2021 के दौरान आयोजित की गई दूसरी एमओईएस-युनाइटेड किंगडम मीटिओरोलॉजिकल ऑफिस वेदर एंड क्लाइमेंट साइंस फोर सर्विस पार्टनरशिप इंडिया एनुअल साइंस वर्कशॉप में भाग लिया। इस परियोजना से जुडे पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अन्य संस्थानों तथा यूके के विश्वविद्यालयों के अनेक वैज्ञानिकों ने भी इस कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. एम. माहपात्रा, भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली की अध्यक्षता में ''प्रिपरेशन ऑफ वेदर मैप्स यूजिंग क्वांटम जियोग्राफिक इंफोर्मेशन सिस्टम'' और 'वैदर बुलेटिन वार्निंग ग्राफिक्स इन लोकल लेंग्वेजेज' पर एक वचुर्अल प्रशिक्षण कार्यक्रम 24.2.2021 को आयोजित किया गया।

प्रकाशन

विषय	प्रकाशन			पीएचडी		
	अप्रैल 2020 - जनवरी 2021	फरवरी, 2021	कुल	अप्रैल 2020 - जनवरी 2021	फरवरी, 2021	कुल
वायुमंडलीय विज्ञान	196	30	226	4	-	4
समुद्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	103	6	109	2	-	2
ध्रुवीय विज्ञान	41	11	52	1	-	1
भू विज्ञान एवं संसाधन	27	17	44	0	-	0
कुल	367	64	431	7	-	7

माह के दौरान समुद्री अनुसंधान पोतों का उपयोग

पोत	समुद्र में दिन/उपयोग	रखरखाव/निरीक्षण/वैज्ञानिक लॉजिस्टिक्स/समुद्री यात्रा की तैयारी	समुद्री यात्राओं की संख्या
सागर निधि	15	13	1
सागर मंजुषा	0	28	0
सागर तारा	9	19	1
सागर अन्वेषिका	8	20	1
सागर कन्या	0	28	0

सागर संपदा	0	28	0

अनुलग्नक II

फा.सं. एमओईएस/20/01/2017-स्थापना

भारत सरकार

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

पृथ्वी भवन, लोदी रोड

नई दिल्ली 110 003

दिनांक: मार्च, 2021

प्रमाण पत्र

(माह फरवरी 2021 के लिए)

प्रमाणित किया जाता है कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से संबंधित सभी पदों के संबंध में विस्तृत स्थिति फरवरी,2021 माह के अंतिम दिन एवीएमएस पर अपडेट कर दी गई है। स्थिति का सार विवरण नीचे दिया गया है:

1) एवीएमएस में दर्ज किए जाने हेतु अपेक्षित पदों की कुल संख्या -13
2) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार भरे हुए पदों की संख्या -11
3) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार पूर्णत: रिक्त पदों की संख्या -02
4) अतिरिक्त प्रभार व्यवस्था के अधीन पदों की संख्या -01
5) आगामी 6 माह में रिक्त होने वाले पदों की संख्या -01

(अंजू भल्ला)

संयुक्त सचिव

Js.moes@gov.in